सारा सच

www.
SaraSach.com

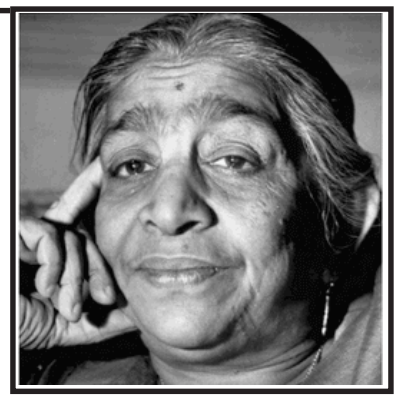

दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

◆वर्ष : 2 ◆अंक : 28 ◆ वीरवार 6 फरवरी से 12 फरवरी 2020 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1441 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

राहुल का पीएम मोदी और केजरीवाल पर हमला

बोले दोनों का बस एक ही फंडा

नई दिल्ली कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की राजनीति नफरत के इर्द–गिर्द घूमती है और उनकी एक ही रणनीति है, लोगों को बांटो।

दिल्ली विधानसभा के लिए आठ फरवरी को होने वाले मतदान से पहले पूर्वी दिल्ली के कोंडली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि कांग्रेस ने 15 साल (1998–2013) के शासन में दिल्ली को मेट्रो सहित आधुनिक अवसंरचना दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल की राजनीति नफरत के आसपास घूमती है। मोदी और केजरीवाल का एक ही फंडा है– लोगों को बांटो। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पांच साल से देश का माहौल बिगड़ गया है। बहुत से लोग इसका कारण नरेंद्र मोदी, आरएसएस और भाजपा को बताएंगे। मगर मैं थोड़ा सा बदल कर कहना चाहता हूं–देश की जनता खासकर युवा को रास्ता नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश का युवा बेरोजगारी से डरा है। इतनी साल पढ़ाई की और पिछले पांच साल से रोजगार नहीं मिल रहा है।

भाजपा में कोई मुख्यमंत्री बनने लायक नहीं : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आगामी विधानसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन गुरुवार को कहा कि भाजपा में कोई भी मुख्यमंत्री बनने के लायक नहीं है।

दिल्ली की 70 सीटों पर आठ फरवरी को मतदान होगा और 11 फरवरी को मतगणना होगी। केजरीवाल ने कहा कि लोग जानना चाहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री पद का दावेदार कौन होगा। उन्होंने पूछा कि क्या होगा अगर वह संबित पात्रा या अनुराग ठाकुर हुए।

केजरीवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव का ध्रुवीकरण करने की कोशिश भी की और नतीजे बताएंगे कि वह सफल हुए या नहीं। केजरीवाल ने कहा, आप के मतदाता वे हैं जो अच्छी शिक्षा, चिकित्सीय सुविधा, आधुनिक सड़कें, 24 घंटे बिजली चाहते हैं। शाहीन बाग में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ जारी प्रदर्शन पर आप के संयोजक ने आरोप लगाया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव की वजह भाजपा ने सड़कें साफ नहीं कराई है।

केजरीवाल ने पूछा, गृह मंत्री अमित शाह को मार्ग साफ करने से क्या रोक रहा है? सड़क जाम रखने में अमित शाह का क्या हित छुपा है? वे दिल्ली

शेष पृष्ठ चार पर

दिल्ली में बसपा प्रत्याशी पर हमला, मामूली चोट आई

नई दिल्ली। दिल्ली के विधायक और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रत्याशी नारायण दत्त शर्मा पर तीन अज्ञात लोगों ने लाठी–डंडों से हमला किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। शर्मा बदरपुर से विधायक हैं और इससे पहले आम आदमी पार्टी में रह चुके हैं। वह इस सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। हमले में उन्हें हल्की चोट आई है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट किया, "मुख्य चुनाव आयोग

शेष पृष्ठ चार पर

हमारी सरकार ने आधे अधूरे मन से काम नहीं किया : नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले जो कुछ भी हुआ, 'राजनीति के तराजू से तौलकर और आधे–अधूरे मन से किया गया'' जबकि उनकी सरकार ने चुनौतियों को चुनौती देते हुए समस्याओं का समाधान निकालने के लिये दीर्घकालिक नीति के तहत काम किया जिससें अर्थव्यवस्था आगे बढ़ी तथा वित्तीय घाटा एवं महंगाई स्थिर रही । मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए लोकसभा में कहा कि लोगों ने

सिर्फ एक सरकार बदली है, केवल ऐसा नहीं है, बल्कि सरोकार भी बदलने की अपेक्षा की है। इस देश की एक नई सोच के साथ काम करने की इच्छा और अपेक्षा के कारण हमें यहां आकर काम करने का अवसर मिला है ।उन्होंने कहा, कोई इस बात से इंकार नहीं कर सकता कि देश चुनौतियों से लोहा लेने के लिए हर पल कोशिश करता रहा है। कभी कभी चुनौतियों की तरफ न देखने की आदतें भी देश ने देखी है। चुनौतियों को चुनने का सामर्थ्य नहीं, ऐसे लोगों को भी देखा है। उन्होंने कहा कि लेकिन आज दुनिया की भारत से जो अपेक्षा है, ''हम अगर चुनौतियों को चुनौती नहीं देते, अगर हम हिम्मत नहीं दिखाते और अगर हम सबको साथ लेकर चलने की गति नहीं दिखाते तो हमें लंबे अरसे तक समस्याओं से जूझना होता। मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, हम भी आप लोगों के रास्ते पर चलते, तो शायद 70 साल के बाद भी इस देश से अनुच्छेद 370 नहीं हटता।

आपके तौर तरीके से चलते तो मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक की तलवार आज भी डराती।' प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर प्रहार जारी रखते हुए कहा कि अगर वह उनकी सोच के साथ चलते तो राम जन्मभूमि आज भी विवादों में रहती, करतारपुर साहिब गलियारा कभी नहीं बन पाता और

शेष पृष्ठ चार पर

राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य प्रतियोगिता जनवरी–पांचवें साप्ताहिक के विजेता

पहला स्थान
इन्दिरा कुमारी
(उत्तर प्रदेश)

दूसरा स्थान
बजरंग लाल सैनी
(राजस्थान)

तीसरा स्थान
दीपक अन्त राव
(केरला)

चौथा स्थान
रेणु झा
(झारखंड)

पांचवां स्थान
अनन्तराम चौबे अनन्त
(मध्यप्रदेश)

छठा स्थान
डा. बी निर्मला
(कर्नाटक)

सातवां स्थान
सुभाष सैनी सृजन
(राजस्थान)

आठवां स्थान
प्रियंका सिंह
(उत्तर प्रदेश)

नौवा स्थान
डा. प्रवीण कुमार श्रीवास्तव
(उत्तर प्रदेश)

दसवां स्थान
किरण बाला
(चंडीगढ़)

संपादकीय

&सलीम अहमद

भारत में ही नहीं, विदेशों में भी है बेरोजगारी समस्या

हाल ही में हिंदी के एक प्रमुख समाचार पत्र में समाचार छपा है कि 'किसानों से ज्यादा खुदकुशी करते हैं बेरोजगार ' यह सही है पर इसके साथ यदि हम यह भी ध्यान करें कि बेरोजगारी केवल भारत में ही नहीं बल्कि कई विकसित देशों की भी समस्या है। फ्रांस में बेरोजगारी दर 8.8 प्रतिशत हालांकि यह दर चीन में 3.6 प्रतिशत और जापान में 2.6 प्रतिशत है। इसकी एक वजह यह है कि जापान और चीन में युवाओं का प्रतिशत भारत की तुलना में कम है। वैसे तो बेरोजगारी के कई कारण हैं लेकिन इसमें संदेह नहीं कि बेरोजगारी की समस्या की जड़ हमारी शिक्षा प्रणाली है। चाहे वह औपचारिक शिक्षा हो या अनौपचारिक। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत हर साल सबसे अधिक संख्या में इंजीनियर तैयार करने के लिए जाना जाता है लेकिन सच्चाई यह भी है कि 82 प्रतिशत भारतीय इंजीनियरों के पास वह मूलभूत कौशल नहीं है जिसकी आज के तकनीकी युग में आवश्यकता है। हमारा आर्थिक विकास माडल कुछ महानगरों पर केंद्रित है। देश के चुनिंदा 8–10 महानगरों के अलावा अन्य इलाकों में नौकरियों के बहुत कम अवसर पैदा हो रहे हैं। इसकी वजह से छोटे शहरों से निकलने वाले युवाओं को भी अपनी पहली नौकरी महंगे महानगरों में ढूंढनी पड़ती है। बढ़ती बेरोजगारी का एक बड़ा कारण हमारे गांवों की स्थिति भी है। हमारा कृषि क्षेत्रा मंदी के लंबे दौर से गुजर रहा है। 1993 से 2019 तक किसानों की आय में दो प्रतिशत से भी कम की सालाना बढ़ोतरी हुई है। हालांकि कृषि रोजगार का एक बड़ा जरिया है, लेकिन कृषि क्षेत्रा में चल रही निरंतर मंदी के कारण वहां हो रही आत्महत्याएं पहले ही चर्चा का विषय हैं।

जाहिर है कि निराश युवा किसान भी बेरोजगारी के आंकड़ों में दिखेंगे। बेरोजगारी का एक अन्य कारण तकनीकी बदलाव भी है। पिछले तीन–चार दशकों में तकनीक के क्षेत्रा में काफी तेज विकास हुआ है। आज अधिकतर कंपनियां अपने काल सेंटरों पर इंसान नहीं, कंप्यूटर का प्रयोग कर रही हैं। टैक्सी बुक करने से लेकर खाना और सामान मंगाने का कार्य एप से हो रहा है। औद्योगिक क्षेत्रा में आटोमेशन या एक रोबोट छह इंसानों का काम अकेले कर सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि 2030 तक विश्व भर में 80 करोड़ लोगों की नौकरियां रोबोट द्वारा ले ली जाएंगी। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों जैसे कि जर्मनी और अमेरिका में एक तिहाई कर्मचारियों की नौकरी रोबोट के हाथों में चले जाने का अनुमान है। यही प्रवृत्ति भारत और अन्य विकासशील देशों में भी दिखेगी। आज इस सवाल से दो–चार होने की जरूरत है कि क्या हम बदलती तकनीक के साथ कदम से कदम मिलकर चल पा रहे हैं? ध्यान रहे कि भारत में इलेक्ट्रिक कारों का आगमन हो चुका है। अनुमान है कि 2030 तक भारत में पेट्रोल या डीजल की कारें नहीं बिकेंगी। आने वाले वक्त में स्वचालित कारें आएंगी जिसमें स्टीयरिंग भी नहीं होगा। इसका असर यह होगा कि टैक्सी ड्राइवर का कार्य करने वाले लोगों की नौकरियां समाप्त हो जाएंगी। इसके साथ ही कम शिक्षा स्तर वाले लाखों मोटर मैकेनिकों के रोजगार पर भी संकट आ सकता है।जाहिर है कि हमें वक्त के साथ हो रहे बदलाव के ढांचे में खुद को ढालना पड़ेगा। हमें युवाओं के कौशल पर ध्यान देना होगा और रोजगार के नए अवसर भी तलाशने होंगे।

सबसे पहले हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को कौशल विकास पर केंद्रित करना होगा। इसके साथ ही नए प्रयोग करने पर भी ध्यान देना होगा। देश में लाखों शिक्षण संस्थान हैं लेकिन सरकार केवल कुछ अच्छे संस्थानों पर ध्यान केंद्रित किए हुए है जिसकी वजह से कौशल विकास का केंद्रीकरण हो गया है। यह आवश्यक है कि आईआइटी का स्थान विश्व में अच्छा हो मगर यह अति आवश्यक है कि हमारे छोटे शहरों में स्थित आईटीआई भी विश्व स्तरीय हों।

चुप्पी तोड़ें

यदि कोई भी सरकारी अधिकारी अपने पद का दुरूपयोग कर रहा है या कोई भी विभागीय अधिकारी आपका आर्थिक, मानसिक व शारीरिक शोषण करता है या फिर आपको किसी भी प्रकार की शिकायत है तो कृपया अपनी शिकायत/जानकारी पर हमें लिख भेजें। आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। आपकी इच्छानुसार आपका नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी।

&लिखें&

मुख्य संपादक : सलीम अहमद

सारा सच

12/596 गली नंबरः 2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–110092

E-mail : sarasach786@gmail.com

मुसलमानों की तरक्की के लिए आधुनिक तालीम और रोजगार

अल्लाह के रसूल मोहम्मद और उनके साथियों ने खुद इस्लाम के प्रचार के लिए व्यापार और ज्ञान को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने तालीम और व्यापार के माध्यम से धर्म और धन दोनों हासिल किए जिससे मजहब को भी काफी फायदा पहुँचा। दुनिया में जितने भी मुल्क महाशक्ति बने हैं, वे सभी आज जिस मुकाम पर हैं, वे कड़े संघर्ष और त्याग के बाद इस ऊँचाई पर पहुँचे हैं।

हम सब वाकिफ हैं कि पाकिस्तान की इतनी बुरी हालत कैसे हुई। वह इस स्तर तक कैसे पहुंचा। बांग्लादेश ने खुद को इतने ऊँचे स्थान पर कैसे पहुंचाया। इसकी वजह यह है कि पाकिस्तान ने अपने युवाओं के हाथों में कलम के बजाय हथियार थमाये और धार्मिक अतिवाद को अपनी पहचान बना लिया। इन्हीं दो कारणों से पाकिस्तान तबाह हो गया लेकिन बांग्लादेश के बुद्धिजीवियों ने अपनी युवा पीढ़ी को तालीम की कमी के बावजूद रोजगार और संघर्ष का मंत्र दिया, उन्हें पड़ोसी देशों में नौकरियां और व्यापार करने के लिए प्रेरित किया।

हम लोगों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि बंगलादेशियों ने न केवल मलेशिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर और थाईलैंड में नौकरियों के एक बड़े हिस्से पर कब्जा किया अपितु वह इन देशों में बड़े–बड़े व्यापार भी चला रहे हैं। आज अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ उन्होंने अपने देश को एक स्थिर स्थिति में ला कर खड़ा कर दिया है। पाकिस्तानियों की तरह उन्होंने केवल लफ्फाजी और आतंकवाद का रास्ता नहीं अपनाया बल्कि अल्लाह के रसूल के कहे मार्गों पर चलते हुए संघर्ष और कड़ी मेहनत पर जोर दिया। इन तमाम जानकारियों से हमें पता चलता है कि दुनिया में विकास और सफलता हथियार और आतंकवाद से नहीं बल्कि कड़ी मेहनत और सकारात्मक समर्पण से हासिल किया जाते हैं।

हिन्दुस्तान में मदरसों को राष्ट्रीय मुख्य धारा से जोड़ने और इनके आधुनिकीकरण की जरुरत है। हिन्दुस्तानी मुसलमान शिक्षा तक पहुँच के मामले में पीछे हैं और इनके शैक्षिक पिछड़ेपन पर काबू पाने के लिए प्राथमिक शिक्षा को मजबूत करना ही एक मात्र रास्ता है। अगर कोई बच्चा मदरसा जा रहा है तो यह समझना चाहिए कि उसे स्कूल जाने का मौका नहीं हैं। यह नहीं कहा जा सकता कि धार्मिक या दीनी शिक्षा गैरजरूरी है लेकिन इसके साथ ही साथ आधुनिक शिक्षा भी जरूरी है जो मुसलमानों को शर्तिया तौर पर चाहिए। जब कभी मदरसों के आधुनिकीकरण की मांग उठती है तो मुस्लिम धार्मिक नेता इसके खिलाफ हाय तौबा मचाने लगते हैं। इस्लाम खतरे में है, का नारा मस्जिदों और बड़े मदरसों से उठना शुरू हो जाता है और इनके नुमाइंदे कोशिश करने लगते हैं कि सुधार की किसी भी कोशिश को किस तरह रोका जाए। मदरसों को मुस्लिम पहचान का विषय बनाना मुस्लिम वर्ग को सिर्फ शैक्षिक नुकसान पहुँचा सकता है। इसी भावना के तहत मुसलमानों के एक वर्ग ने खुद ही मदरसों के पाठयक्रम में बदलाव की माँग शुरू कर दी है ताकि उसे समकालीन आवश्यकताओं के अनुसार बनाया जा सके। अब मुसलमानों के बीच शिक्षा को लेकर प्यास पैदा हो रही है। मुसलमान माता–पिता भी अपने बच्चो को आधुनिक शिक्षा पर जोर दे रहे हैं।

दी नेशनल काउंसिल ऑफ माइनारिटीं एजुकेशनल इंम्टीटयूशन ने भी एक रिपोर्ट में दलील देते हुए कहा है कि देश में मदरसा शिक्षा में सुधार की जल्द से जल्द कोशिश होनी चाहिए। इसलिए इस्लाम को बचाना है और इस्लाम को आधुनिक बनाना है तो हमें मदरसों को आधुनिक बनाना ही होगा।

सारा सच के सक्रिय लेखक

अमित त्यागी	शेरकोट
शाहजहापुर, (यू.पी.)	डा. नंदलाल भारती
दीप्ति शर्मा	इंदौर, (मप्र)
आगरा (यू.पी.)	कल्पना समानी
पूनम शुक्ला	नवी मुंबई
गुड़गांव	कुंती मुखर्जी
डा. नीरज भारद्वाज	लखनऊ (यूपी)
दिल्ली	पूजा श्रीवास्तव
तुशार राज रस्तोगी	सिहोर (मप्र)
दिल्ली	शशि श्रीवास्तव
विभारानी श्रीवास्तव	नई दिल्ली
बेगुसराय (बिहार)	डा. पुरुशोत्तम मीणा
रेखा जोशी	पूर्णिमा शर्मा
फरीदाबाद	मुरादाबाद (यूपी)
भावना सिन्हा	अनमोल शर्मा
गया (बिहार)	बागपत (यूपी)
सलीमा आरिफ	के.सी. वर्मा
जकिर नगर	पटियाला
सुधा राजे	साजिद अली खुरेजी

आखिर कब तक ?

शबनम खान

1. यदि आप शासनिक स्तर पर न्याय चाहते हैं।
2. यदि आपकी पुलिस या अन्य किसी सरकारी विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।
3. यदि कोई सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी काम के बदले आपसे रिश्वत मांग रहा है।
4. यदि कोई आपका शारीरिक एवं मानसिक रूप से शोषण कर रहा है।
5. यदि आप जीवनसाथी या किसी अन्य संबंधी द्वारा प्रताड़ित किए जा रहे हैं।
6. यदि किसी कार्यरत महिला/पुरुष का कार्यालय में अन्य तरीके से शारीरिक या मानसिक रूप से शोषण हो रहा है।
7. यदि किसी बुजुर्ग को परिवार में उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।
8. यदि किसी शिक्षण संस्थानों में छात्र अथवा छात्राओं का मानसिक या शारीरिक स्तर पर शोषण हो रहा है।
9. यदि कोई आपको बाल मजदूरी के लिए बाध्य कर रहा है।
10. यदि शिक्षण संस्थानों द्वारा आपसे डेवलपमेंट चार्ज या डोनेशन के नाम पर अवैध धन वसूला जा रहा है।
11. यदि उपभोक्ता किसी सेवा या उत्पाद से संतुष्ट नहीं है।
12. यदि सरकारी अस्पतालों या प्राइवेट अस्पतालों में आपकी देख रेख उचित रूप से नहीं हो रही है तो घबराए नहीं, सम्पर्क करें:–

Miss Shabham Khan (President)
(Human Rights Activist)
EK Koshish Aur Abhi (EkAA) N.G.O.
Dedicated to Human Rights & Social Justice
E-mail :Khanshabnam.humarightactvist@Yahoo.in
www.ekkoshishaurabhi.org

सारा सच

साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

-मुख्य सम्पादक-
सलीम अहमद
-सह संपादक-
फहमीना सिद्दीकी
शाहनवाज सिद्दीकी
-सलाहकार-
दीपक त्यागी (एडवोकेट),
प्रदीप महाजन (आईएनएस),
डा. पी एल पलटा,
मनोज कुमार खत्री
मौ. मोहसिन
-छायाकार-
सुधीर कुमार, साजिद अली
ब्यूरो/विज्ञापन प्रतिनिधि
-दिल्ली-
रविन्दर कुमार, एस सिद्दीकी,
अशफाक अली
-राजस्थान-
जयपुर-विशाल चौहान
-हिमाचल प्रदेश-
शिमला
शान मो. खान
-उत्तर प्रदेश-
आगरा-हसीब हुसैन
अलीगढ़-मो. फारूख
फिरोजाबाद-फैसल मसरूर
मुज्जफर नगर-मो. इलियास

कैट ने केंद्रीय बजट का स्वागत किया

बजट आय एवं क्रय शक्ति को बढ़ायेगा

नई दिल्ली। कन्फ़ेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने संसद में वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट को एक समग्र दस्तावेज बताया है और कहा है की यदि बजट की घोषणाएं एक निश्चित समय सीमा में लागू की गेन तो निश्चित रूप से यह जहाँ आय में वृद्धि करेगा वहीँ दूसरी ओर उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को भी बढ़ाएगा जिससे बाजार में नकद की तरलता बढ़ेगी तथा भारत को 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में बदलने में देर नहीं लगेगी बजट घोषणाएं देश में अधिक निर्यात को बढ़ाएंगी और भारत वैश्विक बाजार में अधिक हिस्सेदारी हासिल कर सकेगा ! बजट में की गई घोषणाएं देश में घरेलु व्यापार और मैनुफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करेंगी !कैट के राष्ट्रीय अध्यक्षबी.सी. भारतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बजट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार ने देश में व्यापार और वाणिज्य को सुव्यवस्थित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। घरेलू विनिर्माण और आंतरिक व्यापार, किफायती आवास, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने, श्रम कानूनों को सुव्यवस्थित करने, आदि पर जो घोषणाएं की गई है वो बेहद महत्वपूर्ण हैं ! टैक्स ऑडिट की सीमा को एक करोड़ से 5 करोड़ तक करना एक. बेहद साहसी कदम है जिसका देश के व्यापारी स्वागत करते हैं ! गैर बैंकिंग वित्त कंपनियां को महत्व देना बजट की महत्वपूर्ण घोषण हैं जो राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर साबित होंगी क्योंकि यही कंपनियां व्यापारियों को अधिकाँश ऋण उप्लंध कराती हैं ! देश भर में बड़े बुनियादी ढांचे के विकास पर सरकार का ध्यान एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो देश के व्यवस्थित विकास के लिए अत्यधिक आवश्यक है।

श्री भरतिया और श्री खंडेलवाल ने कहा बजट विकासोन्मुखी है और अर्थव्यवस्था के विकास की ओर केंद्रित है। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी के लिए मानदंडों में ढील देने से बाजार में तरलता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे व्यापार की मात्रा बढ़ेगी। आवास क्षेत्र को दिए गए प्रोत्साहन से निर्माण सामग्री के व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा। आयकर में संशोधन आम आदमी को बड़ा फायदा पहुँचाएगें ! टेक्सटाइल सेक्टर में आयात को रोकने तथा फुटवियर , फर्नीचर आदि वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाने के प्रस्ताव से व्यापारियों और लघु उद्योगों को बड़ा सहारा मिलेगा!

श्री भरतिया और श्री खंडेलवाल ने कहा कि फेसलेस असेसमेंट के साथ फैंसलेस्स अपील की घोषणा से भ्रष्टाचार खत्म होगा और कराधान प्रणाली में अधिक पारदर्शिता आएगी। क्ति मिलेगी और जीएसटी कर प्रणाली के समयबद्ध अनुपालन को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि देश में व्यापार और वाणिज्य को सुव्यवस्थित करने, कर आधार को व्यापक बनाने और सरकार को अधिक राजस्व देने के प्रयासों के लिए कैट सरकार के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है।

कांग्रेस ने जारी किया घोषणा पत्र

महिलाओं को 33: आरक्षण, बसों में मुफ्त यात्रा का वादा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया है और आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल का गारंटी कार्ड जारी किया है। कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली की जनता से 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त करने का वादा किया है। साथ ही न्याय योजना को भी लागू करने की घोषणा की है। इस योजना के तहत गरीबों को 72 हजार रुपये सालाना देने की व्यवस्था है।

इसके अलावा सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33: आरक्षण, वरिष्ठ नागरिकों के लिए डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा और ट्रांसजेंडर के लिए पेंशन योजना शुरू करने का भी वादा किया है।

कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा कि दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को फिर से दुरुस्त करने के लिए कांग्रेस की सरकार लाएगी स्वास्थ्य सेवा अधिनियम, प्रत्येक नागरिक को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा और मुफ्त दवाएं मुहैया कराई जाएँगी।

कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में सरकार बनने की स्थिति में दिल्ल्ली की आम जनता के लिए 300 यूनिट तक बिजली और 20 हजार लीटर तक पानी मुफ्त देने का वादा किया गया है। इसमे कहा गया है कि 300 से 400 यूनिट तक 50:, 400 से 500 यूनिट तक 30: और 500 से 600 यूनिट तक 25: तक की छूट देने का वादा किया गया है।

दिल्ली चुनाव में बीजेपी का संकल्प पत्र

कॉलेज जाने वाली गरीब छात्राओं को देंगे स्कूटी

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और बीजेपी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने संकल्प पत्र जारी किया। इस संकल्प पत्र को बीजेपी ने गागर में सागर नाम दिया है। इस मौके पर गडकरी ने कहा कि दिल्ली देश का हृदय है और ये एक ऐसा शहर है जो सभी हिन्दुस्तानियों के लिए अभिमान का विषय है। पुराने इतिहास से लेकर पूरे देश का इतिहास दिल्ली से जुड़ा हुआ है और भाजपा का इतिहास भी दिल्ली से ही जुड़ा हुआ है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा आज तक जब–जब भाजपा के नेताओं को अवसर मिला है, जब अटल जी की सरकार थी या आज मोदी जी की सरकार है, हमने हर बार दिल्ली की तकदीर, दिल्ली के भविष्य को बदलने का काम किया है। गडकरी ने कहा, तीन साल के अंदर

दिल्ली की जनता 12 घंटे में कार लेकर मुंबई पहुंच जाएगी। यहां के आसपास के जमीन काफी सस्ती है। उन्होंने कहा कि 11 लाख लोगों के सुझाव के बाद यह संकल्प पत्र बनाया गया है।

बीजेपी यह सब वायदें किए

1– भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देंगे।

2– अनधिकृत कॉलोनियों के विकास के लिए बोर्ड बनाएंगे।

3– व्यापारियों के लीज होल्ड से फ्री होल्ड देंगे।

4– सीलिंग पर कानून ढंग से सुलझाने का रास्ता निकालेंगे।

5– किरायेदारों के हितों की रक्षा करना।

7– गरीबों को 18 रुपये किलो दो रुपये किलो में देते हैं और उसे पीसवाने में पांच रुपये किलो के हिसाब से देते हैं। हम अच्छी गुणवत्ता का आटा दो रुपये किलो में देंगे।

8– टैंकर मुक्त दिल्ली देंगे और लोगों को हर नल में जल देगी। इस योजना को साढ़े तीन में पूरा करेंगे।

9– आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और किसान सम्मान निधि को सरकार बनते ही लागू करेंगे।

10– 10 नए कॉलेज और 200 नए स्कूल दिल्ली को देंगे।

11– 10 हजार करोड़ से दिल्ली के इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करेंगे।

12– बेटी पढ़ाओ–बेटी बचाओं के अभियान के तहत गरीब परिवार की बेटी के खाते में पैसे डालेंगे। बेटी के 21 साल के होने पर दो लाख रुपये देंगे।

13– कॉलेज जाने वाली गरीब छात्राओं को स्कूल जाने के लिए स्कूटी देंगे।

14 – नौवीं कक्षा में जाने वाली छात्राओं को फ्री साइकिल देंगे।

15–गरीब विधवा की बेटी को शादी के लिए 51 हजार रुपये शादी के लिए देंगे।

16– दिल्ली को कचरे के ढेर से मुक्ति दिलाएंगे।

17– कॉन्ट्रैक्ट वर्कर को नौकरी की सुरक्षा देंगे।

Chetan Srivastava
98100 63006, 93100 63006
kaagzaat
कागज़ात
a complete property Documentation point
DELHI DOCUMENTATION CENTRE
Specialists in : Drafting & Registration of documents for
Free Hold, Lease Hold, Commercial, Industrial, DDA, L&DO Society
Properties & Flats wih Computer Processing & Manual Typing
LEASE HOLD TO FREE HOLD A SPECIALITY
Off : UG-28 Suneja Tower-I
Distt. Centre Janak Puri, New Delhi-58
Ph : 2554 1618, 2561 7461
Br. Off :- Shop No.2 S-2/100
Old Mahavir Nagar, Near
Mangla Hospital, New Delhi-18

सारा सच

सारा सच एक जरिया है दुनिया की सबसे बड़ी प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग साइट पर अपने कारोबार को बड़े लेवल पर बढ़ाने के लिए सारा सच अखबार/वेबसाइट में विज्ञापन देकर अपनी पब्लिसिटी करवाएं । क्योंकि सारा सच ने इन पर अपनी प्रोफाइल/आईडी बनाकर अपनी पहचान बनाई है और लोगों को अपने साथ जोड़कर हमेशा अपडेट रहता है।

सम्पर्क करें : +91&999&000&7067

E-mail : sarasach786@Gmail.com

JOIN-US Facebook Google Plus

मार्केटिंग, एक्जिक्यूटिव, डिस्टीब्यूटर तथा विज्ञापन प्रतिनिधि सम्पर्क करें

सारा सच को चाहिए मेहनती, संघर्षशील, जुझारू ब्यूरो चीफ (सभी जिला), संवाददाता

पाठकों के लिए विशेष

जो भी पाठक अच्छी कहानी, कविताएं खबर इत्यादि देगा उसे मीडिया से जुड़ने का मौका मिलेगा

विज्ञापन

दो के साथ एक फ्री	या	30 प्रतिशत की छूट

हमारे समाचार पत्र के जरिए अपने व्यापार को बढ़ाएं या वेबसाइट पर अपनी पब्लिसिटी के लिए सम्पर्क करें

सम्पर्क करें:

91-999-000-7067

www.sarasach.com

Email : sarasach786@Gmail.com

महिला सशक्तिकरण की प्रेरणा स्रोत हैं भारत कोकिला सरोजिनी नायडू

भारत में जन्मी महान विभूतियों में ऐसी अनेक महिलाएं भी हुई हैं जिन्होंने समय–समय पर यह साबित किया कि नारी शक्ति किसी से कम नहीं है। बस अवसर मिले तो फिर वह क्या कुछ नहीं कर सकती हैं। ऐसी ही एक पुण्यात्मा का हम जिक्र करेंगे जिन्हें हम भारत कोकिला सरोजिनी नायडू के नाम से जानते हैं। सरोजिनी नायडू भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष तो थीं हीं, साथ में उत्तर प्रदेश की पहली महिला राज्यपाल बन कर उन्होंने इस क्षेत्रा में भी अपना परचम लहराया।

मूलरूप से कवयित्री सरोजिनी नायडू को राजनीति में लाने का श्रेय इनके मित्र गोपाल कृष्ण गोखले को जाता है। उन्हीं के प्रेरणा से राजनीति में महात्मा गाँधी को अनुसरण करते हुए अपने कार्यों को पूरी ईमानदारी के साथ अंजाम दिया।

चाहे 1914 में दक्षिण अफ्रीका में भेदभाव वाली सरकार के विरुद्ध आवाज उठाना हो या 1919 में जलियांवाला हत्याकांड के बाद रौलेट एक्ट का विरोध करने के लिए महिलाओं को संगठित करना, सभी में भारत कोकिला आगे रहीं। 1930 का प्रसिद्ध नमक सत्याग्रह में धरासणा में लवण–पटल की पिकेटिंग करने से लेकर किसी जनसभा को संबोधित करना हो या कहीं भाषण देना हो, सरोजिनी नायडू में आवाम को आकर्षित करने की गजब की क्षमता थी।

यदि कोई एक बार भी उनका भाषण सुन लेता था तो उनका प्रशंसक बन जाता था। उनकी मधुर आवाज जब जोश और उत्साह के साथ गूंजती थी तो लोगों को आकर्षित करने के साथ–साथ उनमें सकारात्मक ऊर्जा भी भर देती थी।

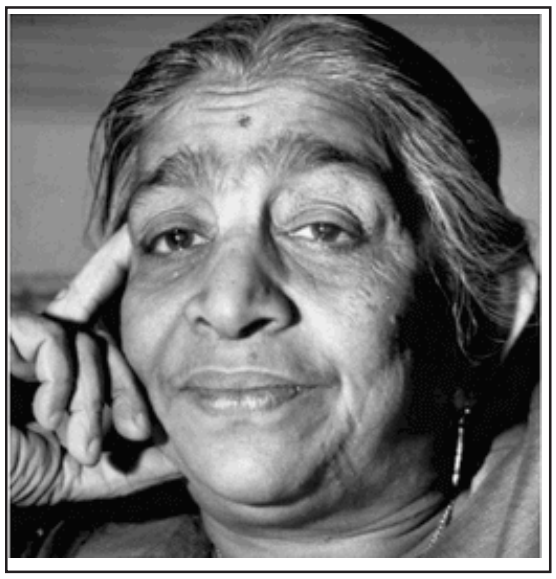

सक्रिय राजनीति में रहते हुए भी सरोजिनी नायडू हमेशा भारतीय नारियों को उनके अधिकारों के लिए जागरूक करती रही हैं। महिलाओं के प्रति होने वाले पक्षपात और उनके अधिकारों की लड़ाई के लिए वो 'अखिल भारतीय महिला परिषद' से भी जुड़ी रहीं जहाँ उन्हें लेडी धनवती रामा राव, विजयलक्ष्मी पंडित, कमलादेवी चट्टोपाध्याय, लक्ष्मी मेनन, हंसाबेन मेहता जैसी बड़ी सामाजिक कार्यकर्ताओं का साथ मिला।

सरोजिनी नायडू हमेशा कहती थीं कि जो हाथ पलना झुला सकता है, वो हाथ देश भी चला सकता है। बस इन हाथों को सशक्त बनाने के लिए मूलभूत सुविधाओं की जरुरत है जिनसे इन महिलाओं को वंचित रखा जा रहा है।

समझा जा सकता है कि आज 21वीं सदी में महिला सशक्तिकरण की बातें कही जा रही हैं किन्तु आजादी के बाद ही इस क्रांतिकारी महिला को भविष्य के इन मुद्दों की गहरी समझ थी जिसे अपने प्रयासों से उन्होंने सार्थक भी किया। उनके नारी शिक्षा की प्रबल पक्षधर होने का सबूत इतिहास में दर्ज है क्योंकि वो जहाँ भी सभा को संबोधित करती, उन सभाओं में नारी शिक्षा की चर्चा करते हुए कहती थीं कि जब एक औरत शिक्षित होगी, तभी वो समाज और परिवार को शिक्षित कर पायेगी। महिलाओं के अधिकारों के लिए ही सरोजिनी नायडू भारतीय नारी मुक्ति आंदोलन से भी जुड़ीं और उनके योगदान की याद में भारतीय महिला परिषद के नई दिल्ली स्थित केन्द्रीय दफ्तर को सरोजिनी हाउस के नाम से आज भी जाना जाता है।

अगर हम उनके व्यक्तिगत जीवन के बारे में बात करें तो 13 फरवरी 1879 को हैदराबाद के गांव ब्रह्मंगांव, बिक्रमपुर में जन्मी सरोजिनी नायडू के पिता निजाम कालेज के संस्थापक श्री अघोरनाथ चट्टोपाध्याय और माता वरदा सुन्दरी थीं। मात्रा 12 वर्ष की आयु में इन्होंने मैट्रिक परीक्षा पास कर मद्रास विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 13 वर्ष की उम्र में 1300 पदों की कविता झील की रानी अंग्रेजी भाषा में लिखा था। सरोजिनी नायडू को हिंदी अंग्रेजी समेत पांच भाषाओं का ज्ञान था। लंदन में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के दौरान एडमंड गास और आर्थर सिमन्स जो कि इनके अंग्रेज मित्र थे, उन्होंने इनके साहित्यिक ज्ञान को गम्भीरता से लेने की सलाह दी जिसके परिणाम स्वरुप सरोजिनी नायडू निरंतर 20 वर्षों तक लिखती रही थीं।

1903 में ही उनकी लिखी हुई कविता संग्रह पोयम्स नाम से अंग्रेजी में प्रकाशित हुई थी। 1905 में द गोल्डन थ्रेशहोल्ड प्रकाशित हुई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया और जिसने उनको भारतीय और अंग्रेजी साहित्य जगत में एक विशेष स्थान दिलाया। इसकी समीक्षा लंदन के अखबार लंदन–टाइम्स और द मेन्चौस्टर गार्ड्यन में भी हुई। समझा जा सकता है कि सरोजिनी नायडू एक साहित्यकार के तौर पर भी मजबूत स्तम्भ बनी रहीं। उनके कविता संग्रह बर्ड आफ टाइम और ब्रोकन विंग ने भी उन्हें कविता और साहित्य के क्षेत्र में प्रसिद्धि दिलाई। सरोजिनी नायडू कितनी दृढ़ निश्चय और प्रगतिवादी विचारधारा की थीं। इसी बात से समझा जा सकता है कि ऐसे समय में जब औरतों को नाममात्रा के ही अधिकार प्राप्त थे, उस समय में भी उन्होंने अंतरजातीय प्रेम–विवाह करने का फैसला लिया। उस फैसले पर वह अडिग भी रहीं। उन्होंने डा. गोविन्द राजुलु नायडू से विवाह कर यह साबित किया कि अपने जीवन का फैसला करने का अधिकार हर महिला को होना चाहिए लेकिन इसके लिए जरुरी है कि हर व्यक्ति अपनी योग्यता साबित करे।

आज के माहौल में भी तमाम लड़के –लड़कियां प्रेम विवाह करते हैं लेकिन कुछ ही समय में जिम्मेदारियों से उकता जाते हैं। ऐसे लोगों के लिए सरोजिनी नायडू का जीवन प्रेरणा है जिन्होंने तमाम सामाजिक और राजनीतिक जिम्मेदारियां निभाते हुए अपने वैवाहिक जीवन की जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभाया।

अपना सारा जीवन देश और देशवासियों की सेवा में लगा देने वाली सरोजिनी नायडू ने 2 मार्च सन् 1949 को अंतिम सांसें ली और अपने पीछे एक सूनापन छोड़ गईं। महिला अधिकारों की उनसे बड़ी पैरोकार उनके समय में कोई अन्य न था तो आज भी महिला सशक्तिकरण की मात्र बातें करने वाले उनके सामने कहीं नहीं टिकते हैं। भारत कोकिला के रूप में मशहूर रहीं सरोजिनी नायडू की जगह आज भी रिक्त है, इस बात में कोई अतिशयोक्ति नहीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

भाजपा में कोई...

के लोगों को परेशान और प्रदर्शन पर गंदी राजनीति क्यों करना चाहते हैं? भाजपा पर प्रहार जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के नेता दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों को ''पूरी तरह भूल गए हैं और लोगों को गुमराह कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा, आप के सत्ता में वापस आने पर दिल्ली सरकार ''मुफ्त योजनाएं'' जारी रखेंगी, हम ऐसी जरूरत पड़ी तो ऐसी और योजनाएं लाएंगे।

हमारी सरकार ने आधे...

भारत–बांग्लादेश विवाद कभी नहीं सुलझता ।उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस के रास्ते पर हम चलते, तो देश 50 साल बाद भी शत्रु संपत्ति कानून का और 35 साल बाद भी अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान का इंतजार करता रहता। 28 साल बाद भी बेनामी संपत्ति कानून लागू नहीं हो पाता और 20 साल बाद भी चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति नहीं हो पाती । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में अपने भाषण की शुरूआत करते हुए कांग्रेस सदस्यों से कहा कि आपके लिये (कांग्रेस) (महात्मा) गांधी जी ट्रेलर हो सकते हैं, हमारे लिये गांधीजी जिंदगी हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के तीसरे दशक में माननीय राष्ट्रपति जी का वक्तव्य हम सभी को दिशा व प्रेरणा देने वाला और देश के लोगों में विश्वास पैदा करने वाला है।

दिल्ली में बसपा ...

एवं पुलिस प्रशासन को इसका तुरंत गम्भीरता से संज्ञान लेना चाहिये तथा दोषियों के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिये। बसपा की यह मांग है।" एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमला रात करीब एक बजे हुआ, जब वह एक बैठक के बाद बदरपुर स्थित अपने घर लौट रहे थे। तीन लोगों ने उनकी कार को रोका और उन पर हमला कर दिया।

ए कुर्बानी, तेरा नाम ही शहीद

प्रस्तुति : दीपक अनंत राव 'अंशुमान' केरला

वे जीते नहीं,वे सोते नहीं,
सपनों को वे सोने पे पिरोते नहीं,
गद्यारों को छोडते नहीं,
दुश्मनों को वक्त वे देते भी नहीं

हर समाज की संपत्ति वे,
हर परिवार के चमकते उजियाले वे,
हर कोख का सौगंध हैं वे,
हमारी संस्कृति की परिचायक हैं वे

भारत माँ के सिरताज के हीरे हैं वे,
फहराती तिरंगे के शान हैं वे,
हिम्मत जिसका नाम हैं वे,
नस नस में बहती गंगा है वे ।

माँ–बाप का आन हैं वे,
बहन की सी सतरंग संजोए सपने है वे,
भैय्या का मान हैं वे,
और छोटू की हरियाली हैं वे ध

हमारी मिट्टी का समर्थक है वे,
देश की ताल–तलैया है वे,
भारत का सुगंध हैं वे,
हर बोलों में प्रज्वलित होते रहे हैं वे

सैनिक,वीर,जवान,फौजी,शहीद उनका नाम,
एक ही देश की कटपुतली,
हर सास में, सोच में,सफर में उन्हें,
कदर देना ही हमें ध

कश्मीर में सियाचिन में,
हर बर्फीली इलाकों में,
भरे मन से,मज़बूत दिलों से,
कैलासनाथ के बराबर,
हमारी पहरेदारी,मज़बूत कन्धों से करते रहें
वे,वीर जवान अपना नींद छोडता,
तब देश आराम से सो जाता।
वे,वीर सैनिक जागकर पहरेदारी करते,
तब समाज,चौन से सपने बुनते,
हर क्षण,हर पल,अपने जीवन को न्योछावर करके
वे भारत वर्ष की आस्तित्व को कायम रखते
दिल से,दिमाग से,साँसों से करना हैं इसलिए नमन उनका
वे जीते वक्त मर रहे है, देश के लिए कुरबानी कर
शाहीद बन रहे हैंध
और हम जी रहे है,,,,,
वे लोग इन्सान नहीं भगवान हैं।
ए कुरबानी, तेरे नाम ही शहीद

सारा सच
www.sarasach.com
PRESENT
हमारीवाणी
SHOW YOUR TALENT
YOUR VOICE ON MIC
दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
◆वर्ष : 2 ◆अंक : 28 ◆ वीरवार 6 फरवरी से 12 फरवरी 2020 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1441 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

प्रस्तुति : इन्दिरा कुमारी
(उत्तर प्रदेश)

फागुन का महीना

फागुनी बयार आज बहने लगी
हो प्रफुल्लित प्रकृति सँवरने लगी।

फागुन का महीना मौसम सुहाना
आगमन वसंत का स्वागत में गाना
कुहू कुहू गीत कोकिल गाने लगी
झूम झूम कली मुस्कुराने लगी
फागुनी बयार आज बहने लगी
हो प्रफुल्लित प्रकृति सँवरने लगी।

बहती फागुनी बसंती बयार
होकर रोमांचित निखरती बहार
संग रंग बिरंग पुष्प पीयर खिलने लगा
मंजरित हो आम्रवृक्ष महकने लगा
फागुनी बयार आज बहने लगी
हो प्रफुल्लित प्रकृति सँवरने लगी।

लाती बसंती फागुन का रंग
कोमल हृदय में भरती उमंग
यौवन तरंग संग उमरने लगा
मधुर मिलन को मचलने लगा
फागुनी बयार आज बहने लगी
हो प्रफुल्लित प्रकृति सँवरने लगी।

है यह प्रकृति का प्राकृतिक नियम
तोड़ नियम इसका हुआ कृत्रिम जीवन
हो मन संवेदनहीन भटकने लगा
असंतोष अशांति में गुमने लगा
फागुनी बयार आज बहने लगी
हो प्रफुल्लित प्रकृति सँवरने लगी।

सुन री बहकती बसंती बयार
छेड़ दे तू सरगम हो संवेदनशील प्यार
अब दिल में वो हलचल मचलने लगी
प्रिय को प्रिया याद आने लगी
फागुनी बयार आज बहने लगी
हो प्रफुल्लित प्रकृति सँवरने लगी।

फागुन का महीना लिया नींद चौन
नयन प्रिया का मिलने को बेचौन
धुन फागुन की दिल में बजने लगी
गुलाल संग फाग प्रिया गाने लगी
फागुनी बयार आज बहने लगी
हो प्रफुल्लित प्रकृति सँवरने लगी।

फागुन का महीना की है यही महिमा
भरती रंग जीवन में है मर्यादा बचाना
प्रिय मारो पिचकारी ,होली मचने लगी
प्रीत के रंग में प्रिया रंगने लगी
फागुनी बयार आज बहने लगी
हो प्रफुल्लित प्रकृति सँवरने लगी।

बसंत (प्रेम का महीना)

गंध समीर,
मंद–मंद मलय,
विश्रांत तन।

शीतल हवा,
सुरधनु निखरे,
रंग–बिरंगे ।

मधुर रव,
सरिता कलकल,
मन प्रसन्न।

कोकिला कूजी,
कर्णपट झंकृत,
आनंद मग्न।

रक्तिम नभ,
कृष्ण मेघाग्र वक,
शुभ्र धवल।

संध्या समय,
नीड़ सम्मुख खग,
कलह रत।

सुंदर खग,
करते कलरव,
अद्भुत दृश्य।

बतलाते हों,
आपबीती दिन की,
मोद भाव से।

झाँक नीड़ों से,
ताक रहे चूज़े हैं,
हैरत भरे।

पत्तों से ज्यादा,
पक्षी हैं डालों पर,
गिन लो चाहे।

प्रस्तुति : बजरंग लाल सैनी वज्रघन

प्रस्तुति : दीपक अनंत राव 'अंशुमान'
केरला

महीना फागुन और दिल प्यार भरा

====================
नज़ारों में जीना,नज़ाकतों में बहना
आदमी हर पल चाहता है
तभी वो ज़िन्दगी में खुशियों से पलती है
तभी वो सपनों का आज़मायिश भी महसूसते
आदमी अपनी इरादों से
गुज़रे हुए कल की नाकामयाबी को
सार्थक बना देती है
बिखरे हुए सपनों में कभी वो भडकता भी है
चट्टानों की दुनिया में हल्का सा दिल लेकर
इसलिए कोई न कोई उसके जीवन में होना ज़रूरी है
काँच के पीछे धुंधले रोशनी के उस छोर पर बत्ती
आराम से अपने को स्वयं भूलकर जलते रहते
काँच को साफ करा के उस रोशनी की जादूई
झडी को दिखानें के लिए कोई कोई चाहिए उसे
इस अनंत एवं विराट प्रकृति में
अब मौसम सुहावना है फागुन है
कुच्छ करने दिखाना है हर किसी को
कुछ अपनाकर प्यार में झूम उड़ना भी
बाहर अभी ठंठ नहीं,गरमी आपको तपती नहीं
मिलने में मिलाने में मज़ा तो है,
मिट्टी का पुत्तर भी सपने देखते
पनपे हुए अनाज के लिए ईश्वर का गुणगान भी गाते
उस पेड की डाली पर बैठकर चिडिया
तब भी गाना गा रही है
हर कही सुंदर ही सुंदर नज़ारे यह मौसम ओर
कुछ नहीं बल्कि फागुन ही फागुन हैं
कही से नज़रों पर लालिमा बिझाते हुए
आ गये रंगों का त्योहार होली भी
पिचकारियों से भीग गये रंगेन सपने
सभी के दिलों में छा जाते
चारों तरफ खुशी ही खुशी
खुशहाली ही खुशहाली
मौसम ओर कुछ नहीं हैं
महीना फागुन और दिल प्यार भरा

फागुन का महीना

देखो फागुन का आया महीना
गजब सी खुमारी चढ़ी है,
रंगों उमंगों से देखो
फागुन की मस्ती बढ़ी है
देखो फागुन का आया महीना
गजब सी खुमारी चढ़ी है।

कहीं सरशों झूमें खेतों में
कहीं अनाजों की बालियां सजी हैं
फूल मंजरों की खुशबू लेकर
फागुन मचल उठी है
देखो फागुन काआया महीना
गजब सी खुमारी चढ़ी है।

ये कैसी फागुन की
मस्ती है छाई,कि
हर बूढ्ढा कहे, मैं देवर
हर मनचला बन रहा बहनोई।
देखो फागुन का आया महीना
गजब की खुमारी चढ़ी है।

कलियां भी चटकने लगी है
भवरें भी मचलने लगे हैं,
गोरी के नयनों में देखो
इंतजार साजन की बढ़ी है,
आसमां में उड़ते गुलाल हैं
जमीं रंगों से रंगी है।
देखो फागुन का आया महीना
गजब सी खुमारी चढ़ी है।

जब वसंत की चली पूरवाई
शरहद पर हो रही घर जाने
की तैयारी,
चलो अपनों के बीच अब तो
अपनों से ही फागुन की खुशी है,
देखो फागुन का आया महीना
गजब सी खुमारी चढ़ी है,
रंगों उमंगों से देखो
फागुन की मस्ती बढ़ी है,
देखो फागुन का आया महीना
गजब सी खुमारी चढ़ी है।

प्रस्तुति : रेणु झा
(झारखंड)

प्यार का महीना

फागुन का महीना आया है
प्यार का भी महीना आया है ।
बसंत ऋतु का मौसम आया है
फ़रवरी का महीना आया है ।

खेतों में हरियाली देखो
हरी मखमली चादर लगती
वसुन्धरा में बिछी हुई है
कितनी सुन्दर प्यारी दिखती ।

पीली पीली सरसों फूली
फागुन का ये महीना है ।

अनन्तराम चौबे अनन्त
(मध्यप्रदेश)

प्यार का मौसम सुहाना है
फागुन का जो महीना है।

गोरी चलती खेतों की राह में
पायल छम छम छम करती है ।
अल्हड़ भागती जाने क्या सोचती
तिरछी नजर से यौवन को देखती ।

बसंती हवायें यौवन को छेड़ती
फागुन के इस सुहाने महीने में ।
साजन के सपनों को संजोती
फागुन के प्यार के, इस महीने में ।

आम बौराए अमराईयों में
कुहू कुहू करती कोयल है ।
तड़पती प्यार में साजन को
गोरी मन ही मन में घायल हैं ।

पतझड़ ऐसा लगा हुआ है
फागुन का आया महीना है ।
प्यार को पाने घायल गोरी
प्यार का आया ये महीना है ।

भंवरे गुंजन करते शोर मचाते
फूलों कलियों का रस हैं चूसते ।
फागुन का महीना ये आया है
सुन्दर सुहाना मौसम आया है ।

सारा सच
www.sarasach.com
PRESENT
हमारीवाणी
SHOW YOUR TALENT
YOUR VOICE ON MIC
दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

◆वर्ष : 2 ◆अंक : 28 ◆ वीरवार 6 फरवरी से 12 फरवरी 2020 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1441 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

प्रस्तुति : डा. बी निर्मला
(कर्नाटक)

फागुन का महीना, प्यार का महीना

माघ के बाद,आया फागुन का महीना,फरवरी साथ लाया, प्यार का महिना।
चारों ओर प्रकृति की छठा देखते बनती,बगियों में रंग बिरंगे खिले फूल सबका मन मोह लेती।
न ठंड,न गर्मी,ऐसा मौसम सबको अच्छा लगता,बच्चे,युवा,सबको आनंद उठाने का मन करता।
हिन्दू पंचांग में फागुन,साल का आखरी महिना,आनंद और उल्लास का महीना,जिसमें होली का पावन पर्व मनाया जाता,
अंग्रेजी कैलेंडर में साल का, सर्दी का आखरी महिना,फरवरी,चौदह तारीख को वेलेंटाइन डे,रोमन पर्व से संबंधित,मनाया जाता।
आधुनिक काल में इसे प्यार का महिना कहते,इस दिन लोग एक दूसरे को कार्ड,चॉकलेट,पुष्प, उपहारों की भेंट देकर,प्यार का इजहार करते।
विदेशी संस्कृति की देन,अब हमारे देश में प्रचलित हो चली, युवा पीढ़ी इसका अनुसरण कर इसके पीछे अंधाधुंध भाग रही।
जी हां ये तो लव,प्यार का महिना, केवल प्यार का,वो प्यार जो है बहुत गहन,अनमोल,विशाल जिसमें समाया त्याग,बलिदान और जन्म जन्म का बंधन ।
हमारे देश में इस प्यार का अर्थ केवल स्त्री– पुरुष नहीं,वरन् माता – पिता,भाई – बहन,पति – पत्नी, और भी पारिवारिक,सामाजिक संबंधों के रूप में मान्य और निभाए जाते है,जो केवल हमारी, भारतीय संस्कृति में है।

फाल्गुन

मन मीत मेरे तुम चले आओ,
फाल्गुन की मस्त बहारों में।
दिल मेरा हर पल तड़पे है,
बगिया के हसीं नजारों में।
घनघोर घटा से गगन पटा,
मन–मोर नचा है सुधियां में,
तुम प्रेम सुधा बरसा देना,
प्रिय मिलन की दुनिया में।
मन मीत मेरे तुम चले आओ,
फाल्गुन की मस्त बहारों में।
देखा था तुझको बारिश में,
झंकृत वीणा थी सांसों में
चेहरे पर चंचल लट उलझी,
थी लाज तुम्हारी आंखों में।
तुम दीपशिखा –सी देह धरे,
यौवन मद की ज्वाला में।
तुम स्नेह–सुरा बरसा दो अब,
जीवन की मधुशाला में।
मन मीत मेरे तुम चले आओ,
फाल्गुन की मस्त बहारों में।
चंचल चित्त उत्कट अभिलाषा
तृषा जगी है मन–मृग में।
कृष्ण –मिलन को बन जोगन ज्यों,
मीरा भटकी वन–वन में।
दूर गगन तक घिरी घटाएं,
उल्लंब–बाहु आलिंगन में।
प्रिय–मिलन की आई सुधियां,
लहर उठी है तन–मन में।
मन मीत मेरे तुम चले आओ,
फाल्गुन की मस्त बहारों में।

प्रस्तुति : प्रियंका सिंह
(इलाहाबाद)

प्रस्तुति : किरण बाला
(चण्डीगढ़)

फागुन

तज मलिन मन, सब संताप ह्रदय के
नव उमंग भर, पुलकित उर कर ले
नवयौवना प्रकृति संग,स्फूर्ति संचित कर ले
प्रेम राग में हो रत, प्रेम धुन झंकृत कर ले

फागुन का महीना आया है
सौगात प्रेम की वो लाया है

गेहूँ जौ की बाली संग, ले रही पवन नित हिलोर
सरसों टेसू के संग रंग, निखर उठी अनुपम अंजोर
हर्षाए कृषक मग्न मन, लद गईं आमों पर अब बौर
पीली–हरी चुनर में रंग, हुई वसुधा आनंद–विभोर

फागुन का महीना आया है
कण–कण धरा का लहलहाया है

उत्सव–श्रृंखला का शुभारंभ, सुखद अनुभूति कर ले
रंगोत्सव लाया प्रेम रंग, ह्रदय से इनका वरण कर ले
अबीर–गुलाल की बौछार संग, तन–मन अपना रंग ले
कलह–कुंठा द्वेष तज, मैत्री–प्रेम का अनुबंध कर ले

फागुन का महीना आया है
संदेश सद्बभाव का लाया है

फागुन

इश्क के तेरे रंग में रंग कर,
जीवन का हर तार पुकारे।
प्रीत की रीत में खोने को अब,
मेरा सब संसार पुकारे।

फागुन की मदमस्त बहार में,
सजनी तुझको प्यार पुकारे।

फूलों पर मधुमास हैं छाया,
देखो कलियां चटक रही हैं ।
बासंती इस रुत में गोरी,
दिल की हर झंकार पुकारे।

फागुन की मदमस्त बहार में,
सजनी तुझको प्यार पुकारे।

नस नस में उफान भरा है,
अल्हड़ तेरी जवानी का।
बासंती रजनी में सजनी,
बाहों का तुझे हार पुकारे।

फागुन की मदमस्त बहार में,
सजनी तुझको प्यार पुकारे।

कोयल छेड़े तान मधुर जब ,
पपीहा पीव की टेर करे।
दिल की सांसों को झंकृत कर,
फागुन की सुरताल पुकारे।

फागुन की मदमस्त बहार में,
सजनी तुझको प्यार पुकारे।

मदिर मदिर ये पवन बहे जब ,
छूकर तेरे कपोलो को,
मस्त बयार ये भड़काती है,
दिल के मेरे शोलो को ।

फागुन की मदमस्त बहार में,
सजनी तुझको प्यार पुकारे।

प्रस्तुति : गोविन्द सिंह राव
(राजस्थान)

प्रस्तुति : सुभाष सैनी सृजन
(राजस्थान)

प्यार का महीना

मैं भटक ना जाऊं इतना प्यार तो करो
किसी और की ना हो जाऊं ये खयाल तो करो
ये प्यार का महीना है रूमानी मौसम भी
कहीं दूर ना चली जाऊं ये आभास तो करो
इस प्यार के महीने के रंग खूबसूरत हैं
कहीं इसमें डूब ना जाऊं ये विचार तो करो
क्यों दूर रहते हो तुम्हारी कमी खलती है
इस प्यार के महीने का एहसास तो करो
इंतजार कर रहीं हैं आंखें हमारी
अब आ भी जाओ इतना विश्वास तो करो
इतना रूठना क्या अच्छा लगता है?
कहीं मेरे रूठने पर भी सवाल तो करो
किसी और की ना हो जाऊं ये खयाल तो करो
कहीं भटक ना जाऊं इतना प्यार तो करो

ऋतु राज

ऋतुओं का राजा आया।
मौसम मधु मासिक लाया।
फूले केसर की क्यारी।
औ पीली सरसों प्यारी।
कोयल ने गीत सुनाया।
है सब का मन हर्षाया।
फूलों का मौसम भाया।
मौसम मधुमासिक आया।
ऋतुओं का राजा आया।

फागुन का मौसम आया।
जो प्यार ह्रदय में लाया।
झूमे ये राधा प्यारी।
मनमोहन कृष्ण दुलारी।
रंगों का उत्सव भाया।
मौसम मधुमासिक लाया।
ऋतुओं का राजा आया।

प्रस्तुति : डा. प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, 'प्रेम'
(उत्तर प्रदेश)

'देखो फरवरी आयी है..'

पीली सरसो लहरायी है।
'देखो फरवरी आयी है।।'

पेड़ों पर हरीयाली छायी।
मदमस्त बसंत ऋतु आयी।।

कोयल कु कु अब बोल रही।
मन में सरस रस घोल रही।।

हर तरफ जवानी छायी है।
'देखो फरवरी आयी है।।'

ये प्यार का मौसम होता है।
इजहार का मौसम होता है।।

दिल में दिलदार की सुरत है।
मन में मेरे यार की मुरत है।।

अब तो मधुर मिलन होगा।
साक्षी जमीं, गगन होगा।।

अब प्यार ने ली अंगड़ाई है।
'देखो फरवरी आयी है।।'

प्रस्तुति :
देवेन्द्र प्रसाद
(उप्र)

सारा सच
www.sarasach.com
PRESENT
हमारीवाणी
SHOW YOUR TALENT
YOUR VOICE ON MIC
दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

◆वर्ष : 2 ◆अंक : 28 ◆ वीरवार 6 फरवरी से 12 फरवरी 2020 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1441 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

प्रस्तुति : गोरख नाथ पाण्डेय
बलिया (उप्र.)

विश्व की रंगीनियत से लाख अपना दिल लगाये,
दिल के मन्दिर में मगर इस देश का दीपक जलाये.
पँख को आकाश सौंपे गगनभेदी बन उड़े पर,
अपनी जननी से जुड़े आशीष ले रिश्ता निभाये.

भारती के भाल पर हिमराज का मुकुट सुसज्जित,
पावँ में पायल की झनझन सी पयोधि हिन्द भी है.
कर में दिनकर कैद कर उषा कराती सात बहने,
सोचता हूँ सृष्टि में क्या हिन्द के मानिंद भी है.
पीर हो पंजाल का या नीर पेरियार का हो,
कार्डमम से कारकोरम एक तन है एक मन है,
गिर से गारों तलक गिरराज चूमे गगन सारा,
तीन रंगो की चुनरिया मे लहरता एक सपन है!
चीर क्या है खीर क्या है हमने बतलाया जहा को,
सभ्यता को सभ्य होना गर्व है हमने सिखाये.
विश्व की रंगीनियत से – – – – – – – – – – – – – –

हमने पहुचाये है रॉकेट सैटेलाइट या मिसाइल,
व्योम का माथा भी हिंदुस्तानी रंगो से रँगा है.
जब कभी देखा फलक पर इंद्रधनुषी रंग जाना,
आर्यावर्त का ले तिरंगा शायद ईश्वर भी फना है.
हमने बतलाया जहाँ को जीरो की वैल्यू है कितनी,
हमको पाई मान व दशमान लेने की कला है.
स्वच्छ रहना स्वस्थ रहना ही सदा हमने सिखाये,
योग के उपयोग का अवसर हमे पहले मिला है.
ये मनीषी चेतना चहुँओर चमकी है जगत में,
अपनी दुनिया छोड़कर गैरों की हम दुनिया बनाये.
विश्व की रंगीनियत – – – – – – – – – – – – – – – –

इस जमी ने जन्म देकर धर्म को ईश्वर बनाया,
जाने कितने दर्शनों से इस धरा का कर सना है.
भास्कर के ही भँवर से धर के अपना सर सरासर,
जगत के निलय में सुरपुर का कोई जुगनू तना है.
सिंह के दांतों को गिनने का हुनर हम जानते है,
उदधि के उदर को मथकर हम सुधा को छानते है.
रत्नगर्भा गर्भ से हीरा नही कोहिनूर देती,
इस चमन में ही सदा होती रही सोने की खेती.
धन्य है हम इस धरा पर जन्म पाकर गीत गाकर,
कोख में इस मातृभूमि की हम सौ सौ बार आये.
ऐसी बसुधा के लिए बैकुंठ को ठोकर लगाये.
विश्व की रंगीनियत से – – – – – – – – – – – – – –

प्रस्तुति : रेणु बाला धार
(बिहार)

नागरिक

हम भारत के वयस्क नागरिक हिन्दुस्तान हमारा है
,देश के भविष्य के निर्नायकों में
स्थान हमारा है .
देश के पहरेदार हम हैं
भावी कर्णधार हम हैं
वक्त आने पर दिखला देंगे
हममें कितना दम है .
देश पे आंच न आने दे वो
नागरिक महान है.
नागरिक कर्तव्य के साथ
अधिकार वर्णित संविधान है. कानून की नजर में हर
नागरिक एक समान है.
भारत के नागरिक होने का
हमको तो गुमान है.
जय हिंद जय भारत
हर नागरिक की जुबान है.
देश की रक्षा और विकास में हर नागरिक का
योगदान है...

देश

देश मेरा तुम्हारा सभी का सुनो है,लगे तोड़ने पर क्यों इसको हो तुम
मजहबी चादरों का जो ताना बुना है,लगे बांटने पर क्यों इसको हो तुम
ये कैसी विषमता जो फैला रहे हो,देश को ना बनाओ कोई बाग तुम
आज मेरा तुम्हारा सभी का प्रहर है,सत्यता को ना छोड़ो ना झूठे बनो तुम
वो जो संस्कृति हमारी रही है सदा,क्यों मिटाते उसे एक हो जाओ तुम
देश आगे बढ़े ऐसे कर्म करो,क्यों मिट्टी में इसको मिलाते हो तुम
ये कैसे हैं नारे ये दंगा लड़ाई,क्यों इसमें फंसे बंद कर दो ये तुम
नागरिक सब बनें देशवासी मेरे
आओ मिलकर चलें और आगे चलो तुम

प्रस्तुति : प्रियंका सिंह
उत्तर प्रदेश

देश

'मै हूँ भारत, मैं भारत हूँ'

गंगा का निर्मल पानी हूँ
भागीरथ की कहानी हूँ।
मैं सत्कर्मो की गाथा हूँ
मै सबका भाग्य विधाता हूँ।
संतो की कठिन तपस्या हूँ
दुर्जन के लिए समस्या हूँ।
मुझको अंग्रेजो ने लूटा
सदियों से कितनों ने पीटा।
उंगलियां उठी मेरी अस्मत पे
रोया था तब मै किस्मत पे।
पर मेरे वीर जवानों ने
पगड़ी बांधें किसानो ने।
इक दाग नही लगने दिया
कहीं आग नही लगने दिया।
मुझको सीचा है मेहनत से
जोड़ा है अपनी किस्मत से।
मै अब स्वतन्त्र इक काया हूँ
नस नस में सबके समाया हूँ।
मै बच्चों की किलकारी हूँ
बेटी जैसी फुलवारी हूँ।
सिंदूर हूँ मै हर माई का
संघर्ष पिता के कमाई का।
बहना की सच्ची राखी हूँ
मै हर जवान की खाकी हूँ।
सजनी की चुड़ी कंगन हूँ
मै सहज प्रेम, अभिनन्दन हूँ।
अब तो मै इक इक कतरा हूँ
सबकी मुस्कान में बिखरा हूँ।
सब नाते रिश्तेदार हूं मै
दुश्मन के लिए प्रहार हूँ मै।
मै नशा हूँ गौरव पाने का
मै हूँ किताब लिख जाने का।
मै यहां का हर निवासी हूँ
मै ही तो भारतवासी हूँ।
मै हूँ तो सबकी शान है
मुझमें ही सबकी जान है।
मै गीता हूँ, कुरान हूँ मै
समझो तो इक भगवान हूँ मै।
मै हर तीरथ, हर धाम हूँ
मै कड़ी धुप, मै शाम हूँ।
हर रुह यहां, शरीर भी मै
सब लोगों की तकदीर भी मै।

मै क्या हूँ? कितना बतलांऊ?
मै सब हूँ, क्या क्या दिखलांऊ?
मै सभी नव्य पदारथ हूँ
'मै हूँ भारत', मै भारत हूँ।

प्रस्तुति : देवेन्द्र प्रसाद
(उत्तर प्रदेश)

बिहार, यूपी और हरियाणा वालों को दिल्ली का बेटा न मानना भाजपा की प्रवासी विरोधी सोच: संजय सिंह

नई दिल्ली । आप मुख्यालय में हुई एक प्रेस वार्ता के दौरान आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन द्वारा हरियाणा और यूपी वालों को दिल्ली का बेटा न मानने पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन जी का यह बयान, कि केजरीवाल तो हरियाणा में पैदा हुआ, यूपी के गाजियाबाद में रहा, वह दिल्ली का बेटा कैसे हो सकता है, इस बात को सत्यापित करता है, कि भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में रह रहे यूपी–बिहार, हरियाणा तथा अन्य राज्य से आए लोगों के खिलाफ है। सभी प्रवासी भाईयों को अपना नही मानती।

उन्होंने कहा कि यह कोई पहला वाक्य नहीं है जब भारतीय जनता पार्टी ने यूपी बिहार तथा अन्य राज्य से आए प्रवासियों के खिलाफ अपनी नफरत का प्रमाण दिया हो। इससे पहले गुजरात में भाजपा के लोगों द्वारा यूपी बिहार के लोगों को मारा गया पीटा गया गुजरात से भगाया गया, महाराष्ट्र में भाजपा के लोगों द्वारा यूपी और बिहार के लोगों को दौड़ा–दौड़ा कर पीटा गया, परंतु भाजपा के किसी एक नेता की ओर से इस प्रकार की घृणित गतिविधियों के विरोध में कोई बयान नहीं आया, किसी ने भी इन घटनाओं का खंडन नहीं किया। संजय सिंह ने कहा की भाजपा के केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन जी का यह बयान बेहद ही निंदनीय है। उन्होंने कहा कि जो लोग यूपी से बिहार से हरियाणा से तथा देश के अन्य राज्यों से दिल्ली में आकर यहां काम कर रहे हैं, खून–पसीना लगाकर दिल्ली के विकास के लिए अपना योगदान दे रहे हैं, क्या वह लोग दिल्ली के बेटे नहीं हैं? क्या वह सब लोग दिल्ली के दुश्मन हैं? क्या उनका यह गुनाह है कि वह अपने–अपने राज्यों से आकर दिल्ली में रहकर काम कर रहे हैं, मेहनत कर रहे हैं और दिल्ली की अर्थव्यवस्था को सुधारने में अपना योगदान दे रहे हैं? यह बयान आपकी ओछी एवं प्रवासी विरोधी मानसिकता को जाहिर करता है।

राम जन्मभूमि ट्रस्ट के गठन पर काशी से उठे विरोध के स्वर

वाराणसी । राम जन्मभूमि ट्रस्ट के गठन पर काशी से विरोध के स्वर उठे हैं। रामालय न्यास ने केन्द्र सरकार पर ट्रस्ट के गठन में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अनदेखी और सनातन धर्म के सर्वोच्च संतों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। रामालय न्यास के सचिव और अखिल भारतीय श्रीरामजन्मभूमि पुनरुद्धार समिति के उपाध्यक्ष स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा है कि सरकार की इस मनमानी को अदालत में चुनौती दी जाएगी।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने श्रीविद्यामठ में कहा कि सर्वोच्च अदालत ने मंदिर निर्माण के लिए योजना (स्कीम) बनाने को कहा था। सर्वोच्च धर्माचार्यों का एक ट्रस्ट रामालय न्यास मौजूद है। ऐसे में सरकार ने अलग से ट्रस्ट क्यों बनाया? नए ट्रस्ट में 'कार्यकर्ता संतों' को रखा जाना संदेह पैदा कर रहा है।

धर्म को लोकोन्मुख बनाने और जटिल गुत्थियों को सुलझाने वाले गुरुओं की उपेक्षा होगी तो सनातन हिंदू धर्म की रक्षा कैसे हो पाएगी? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने न केवल शीर्ष धर्माचार्यों बल्कि अयोध्या के कई संत महंतों का भी अपमान किया है।शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य व प्रतिनिधि अविमुक्तेश्वरानंद ने ट्रस्ट में दलित सदस्य शब्द के प्रयोग पर भी सवाल उठाते हुए इसे हिंदू समाज में भेदभाव पैदा करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे में ओबीसी का भी सदस्य शामिल किया जाना चाहिए था। प्रयाग के संत वासुदेवानंद को ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य कहे जाने पर आपत्ति उठाते हुए उन्होंने कहा कि यह न्यायालय की अवमानना है। इसके खिलाफ भी अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ताओं से संपर्क किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि रामालय न्यास में चारों पीठों के शंकराचार्य, तेरह अखाड़ों के महामण्डलेश्वर और हिन्दू धर्माचार्य सभा के संयोजक सहित रामजन्मभूमि मन्दिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास शामिल हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि इस न्यास ने हजारों मन्दिर बनाए और संचालित कर रहे हैं।

सरकारी बंगलों पर अवैध कब्जे को लेकर हाईकोर्ट ने केंद्र को लगाई फटकार

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने 550 से अधिक सरकारी आवासों में सेवानिवृत्त अधिकारियों के अवैध रूप से रहने पर आवास मंत्रालय को फटकार लगाई और केंद्र को उन्हें दो सप्ताह के भीतर सभी बंगले खाली कराने का निर्देश दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डी.एन. पटेल और जस्टिस सी हरिशंकर की बैंच ने कई वर्षों से सरकारी आवासों पर अवैध कब्जे को साजिश के समान बताया। बैंच ने सरकार को अवैध निवासियों पर बकाया लाखों रुपये की वसूली का भी निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर सरकारी आवास को खाली कराने के खिलाफ किसी अदालत या न्यायाधिकरण द्वारा रोक लगाई जाती है तो ऐसे आदेश का पालन किया जाए, अन्यथा आवास तुरंत खाली कराए जाएं। अदालत ने आवास मंत्रालय के सचिव पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। हाईकोर्ट ने 17 जनवरी को केंद्र से पूछा था कि ऐसे कितने सरकारी बंगले हैं, जिन पर पूर्व सांसदों, विधायकों या नौकरशाहों का कब्जा है और ये कब्जा कितने समय से है। हाईकोर्ट ने यह निर्देश एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें दावा किया गया था कि पूर्व सांसदों, विधायकों और नौकरशाहों ने कई सरकारी आवासों पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है।

उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस की दहशत

श्रावस्ती। कोरोना वाइरस की दहशत अब उत्तर प्रदेश में सताने लगी है। इसे लेकर लोग काफी सजग दिख रहे हैं। इसी कारण बौद्ध तीर्थ श्रावास्ती के डेन महामंग्कोल मंदिर पर ताला डाल दिया गया है।

मंदिर प्रशासन ने मुख्य द्वार पर नोटिस बोर्ड लगाते हुए गेट पर ताला लगाकर देशी–विदेशी पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। नोटिस बोर्ड पर लिखा है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए मंदिर को अनिश्चित समय के लिए बंद कर दिया गया है। हालत में सुधार आते ही इसे खोल दिया जाएगा।

उप जिलाधिकारी राजेश मिश्र ने बताया कि श्रावस्ती बौद्ध स्थली है। यहां पर विदेशी लोग बड़ी संख्या में आते हैं। एहतियातन उन्होंने मंदिर को बंद किया है। हालांकि इस जिले में अभी तक कोरोना वायरस का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। फिर भी लोग इसके लिए सजग हैं। जागरूकता के कारण इसे बंद किया गया है। कुछ समय बाद खोल दिया जाएगा।

श्रावस्ती के एक स्थानीय नागरिक ने बताया कि हर साल चीन, जापान, थाईलैंड, श्रीलंका, कोरिया, म्यांमार सहित कई देशों के करीब दो लाख से अधिक बौद्ध भिक्षु व धमार्वलम्बी आते हैं। सर्दियों में अनेक मंदिरों में विशेष ध्यान सत्र चलाए जाते हैं। ज्ञात हो कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए बाहर से आने जाने वाले व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है।

यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी कांग्रेस

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले चुनावों में कांग्रेस किसी के साथ गठबंधन न करके अकेले ही चुनाव लड़ेगी। यह बात जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में हुई बैठक में कांग्रेस के प्रदेश महासचिव वीरेंद्र सिंह गुड्डू ने कही।

बैठक में बतौर मुख्यअतिथि मौजूद प्रदेश महासचिव ने जिला और महानगर अध्यक्ष को चुनाव की तैयारियों में जुटने को कहा। उन्होंने कहा कि दोनों पदाधिकारी अपनी–अपनी कमेटियों का जल्द से जल्द विस्तार करके इसका गठन कर लें। कमेटियों में समाज के हर वर्ग को महत्व दिया जाएगा।

Kumar Associates
Soliciter & Advisor (Legal)
Delhi District Court & High court
Karanjeet Kumar (Advocate)
H.O. : 133-A Krishan Kunj Extn.
Laxmi Nagar, Delhi-110092
Mob :9999839708, 8527362212

Vinod Kumar 9899317267
Varun Kumar 9212738941 9999963395
VARUN
Canvas-Company
Wholesaler of :
All Kinds of Blankets, Cotton Cloth.
Spl. in : Blankets, Plastic Tirpal, Plastic Tubes, Cotton Cloths, Tents, Car-Scooter Cover
12-A, Azad Market, Near Pul Mithai, Delhi-6
E-mail: varuncanvasco@yahoo.co.in

IPCS
Indian Pest Control Services
PRE & POST CONSTRUCTION ANTI-TERMITE TREATMENT
Dr. P. K. Sahani
(Entomologist)
WZ-250 C, NEAR MTNL EXCHANGE
OPP. PUSA INSTITUTE INDER PURI.
NEW DELHI-110012
PH. 64522051 M. 9810437316
E-mail: pks0573@rediffmail.com
ipcs.7340@rediffmail.com

Distributors :
NEROLAC BERGER PAINTS SPECTRUM asian paints ICI
Mahender Kumar Jain
MP J&CO ESTD-1958
MAHABIR PRASHAD JAIN & CO.
Deals In :
Paints • Marble • Chips • Tiles etc.
Water Proofing • White-Cement
Shalimar Tar Product • Tap Crete-Cico.
5288, Ajmeri Gate Chowk, G.B. Road, Delhi-110006
Ph.: (O) 23214936, 23214937, 23216183 (R) 26929143, 51627135
(G) 9350210823 M : 9811077193 E-mail : mpjco_1958@rediffmail.com

Mob:- 9868995845, 9811053175
Umesh Kr. Jha
Chairman
VARKS
VARKS INFRA BUILDTECH (P.) LTD.
Developers, Builders & Collaborator
Regd. Office 113-A Krishan Kunj Ext. Part-I, Laxmi Nagar, Delhi-110092

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक **सलीम अहमद** द्वारा आला प्रिंटिंग प्रैस, 3636, कटरा दीना बेग, लाल कुआँ, दिल्ली–110006 से मुद्रित व 12/596, गली नंबर–2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92 से प्रकाशित संपादक : **सलीम अहमद**. सारा सच साप्ताहिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों व समाचारों की सहमति आवश्यक नहीं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।